विराम चिन्ह (Punchuation)

विराम चिन्ह का अभिप्राय विश्राम होता है जब हम अपने विचारो को भाषा द्वारा प्रकट करते है वहां तब एक विचार की अभिव्यक्ति ~~होती है~~ के बाद कुछ रुकते है, कभी-2 उस विचार में कुछ अंशो को प्रकट करने के बाद जो हम रुकते है उसे (!) विराम चिन्ह कहते है।

~~विराम~~ विराम चिन्ह -

इस विराम को दर्शाने के लिए कुछ निश्चित चिन्हो का प्रयोग करते है इन चिन्हो को विराम चिह्न कहते है।

विराम चिन्ह का महत्व -

→ विराम चिन्हो का समुचित प्रयोग वाक्य के अर्थ को स्पष्ट कर भाषा को सौन्दर्य प्रदान करना है।

पाठक वर्ग भी पढते समय उपयुक्त स्थानो पर रुक कर व्यक्त विचारो को ग्रहण करता चलता है। अतः लेखक की स्पष्टता को ग्रहण करने के लिए विराम चिन्हो का सही प्रयोग बहुत आवश्यक है। यदि विराम चिन्हो का समुचित प्रयोग न किया जाये, तो अर्थ का अनर्थ हो सकता है।

हिन्दी के प्रचलित विराम चिन्ह

(i) अल्प विराम (Comma ,)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

अर्द्ध विराम (semi collon ;)
पूर्ण विराम (Full stop .)
अपूर्ण विराम (:)
प्रश्न बोधक चिन्ह (?)
विस्मयादि बोधक (!)
उद्धरण चिन्ह (Inverted comma " ")
निर्देशक चिन्ह (dase —)
विभाजक चिन्ह (Hyphen -/)
कोष्ठक (bracket ( ) [ ])
लाघव (Synop application o)
लोपचिन्ह (.....)
(13) त्रुटिबोधक (^)

(i) अल्प विराम —
पढ़ते या बोलते समय थोड़ा रुकने के लिए जिन चिन्हों का प्रयोग करते हैं उसे अल्पविराम कहते हैं (,)
उदाहरण —
मैं उपन्यास, निबन्ध, किताब पढ़ता हूँ
संख्या के अंकों के उपरान्त भी अल्प विराम चिन्ह लगाये जाते हैं।

[2] अर्द्ध विराम चिह्न
जहां अल्पविराम की अपेक्षा कुछ अधिक देर ठहरना हो वहां अर्द्ध विराम लगाया जाता है।
=> एक ही प्रधान उपवाक्य पर आश्रित अनेक छोटे-2 उपवाक्य हो वहां अर्द्ध विराम चिन्ह लगाया जाता है।
आम को फलों का राजा माना जाता है, किन्तु सेब कश्मीर का राजा है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(3) अपूर्ण विराम चिन्ह –
जिस विराम चिन्ह का प्रयोग किसी वक्तव्य को अलग करके दर्शाने हेतु किया जाता है उसे अपूर्ण विराम या अविराम कहते है।

प्रेमचन्द : गबन , गोदान

(4) पूर्ण विराम चिन्ह –
जिस विराम चिन्ह का प्रयोग वाक्य पूर्ण होने पर किया जाता है वहां पूर्ण विराम चिन्ह का प्रयोग किया जाता है।

वह कल दिल्ली गया।

(5) प्रश्नबोधक चिन्ह –
इस विराम चिन्ह का प्रयोग प्रश्न बोधक वाक्यों के अन्त में किया जाता है उसे प्रश्नबोधक कहते है।

तुम यहां क्यूं आये हो ?

(6) विस्मयादिबोधक चिन्ह –
इस विराम चिन्ह का प्रयोग विस्मय , हर्ष , आश्चर्य , घृणा आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्दों के लिए किया जाता है।

ओह ! यह इतना लम्बा है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

उद्धरण चिन्ह -

जहां किसी की कही गयी उक्ति को बिना किसी परिवर्तन के ज्यो का त्यों रखा जाये वहां उद्धरण चिन्ह लगाया जाता है।

सुभाष चन्द्र बोस ने कहा "तुम मुझे रक्त दो मै तुम्हे आजादी दूंगा"

(8) निर्देशक चिन्ह -

निर्देशक चिन्हो का प्रयोग निम्नलिखित स्थानो पर किया जाता है।

भाई-बहन, माता-पिता, गाय - भैंस

(9) विभाजक चिन्ह -

इस विभाजक चिन्ह का प्रयोग निम्न स्थानो पर किया जाता है।

महात्मा गांधी - पोरबन्दर

(10) कौमुक -

इस प्रयोग किसी पद का अर्थ प्रकट करने हेतु अथवा किसी वाक्यांश का अर्थ प्रकट करने हेतु किया जाता है।

अंगूर (सीताफल) ग्रीष्मकालीन अवकाश (गर्मी की छुट्टी)

(11) लाघव चिन्ह -

लाघव चिन्ह का प्रयोग बड़े शब्दो का प्रयोग संक्षेप में लिखने हेतु होता है।

डॉ० (डाक्टर), मा० (मास्टर) पं० (पं.)

(12) लोप निर्देशक चिन्ह -

जब लेखक उदाहरण देते समय कुछ छोड़कर लिखना चाहता है तब लोप निर्देशक चिन्ह का प्रयोग होता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner